डग बेचलर

ऋण

से मुक्ति

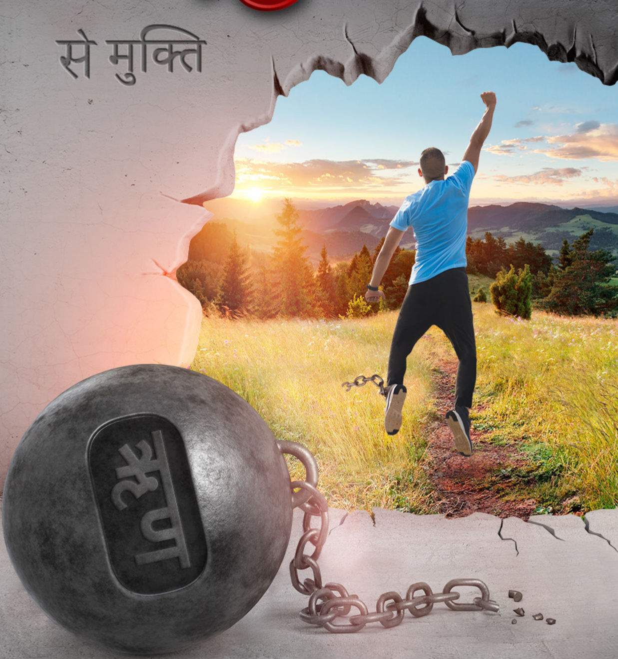

Copyright © 2019, 2022
by Doug Batchelor

All rights reserved.
Printed in India.

Published by:
Amazing Facts India
Post Box No 51
Banjara Hills, Hyderabad
Telangana, 500034

www.AmazingFactsIndia.org

ऋण

से मुक्ति

डग बैचलर द्वारा

एक आश्चर्यजनक तथ्यः *दक्षिणी मिसिसिपी विश्वविद्यालय की सबसे प्रसिद्ध दाता एक करोड़पति, एक प्रसिद्ध राजनेता या एक सेलिब्रिटी नहीं थी। उसका नाम ओसियोला मैककार्टी था। 1995 में, उसने एक ट्रस्ट की स्थापना की, जिसके तहत उसकी मृत्यु पर, उसके जीवन भर की बचत के 150,000 डॉलर वित्तीय सहायता की आवश्यकता वाले छात्रों की सहायता के लिए विश्वविद्यालय को दान कर दिया जाना था। वह कभी विश्वविद्यालय में छात्रा नहीं रही थी। लेकिन सबसे असाधारण तथ्य? ओसियोला ने जीवन यापन के लिए कपड़े धोती और इस्त्री करती थी। वह सारा धन मितव्ययी बचत और सादा जीवन-यापन करके अर्जित किया गया था।*

विषयसूचीः

ऋण एक व्यक्ति को क्या करता है? 4
ऋण दासता लाता है 5
ऋण चिंता लाता है 7
हम पर ऋण क्यों है 9
ऋण 101: इससे कैसे बचें 12
क्या ऋण एक पाप है? 17
अपनी प्रतिज्ञाएं पूरे करो 21
ऋण 102: इससे कैसे बाहर निकलें 25
आवश्यक ऋण 29
सबसे महत्वपूर्ण ऋण 30
ऋण मुक्ति 32

ऋण। यह एक गंदा शब्द लगता है; है ना?

ऐसा लगता है कि हमारे पास जो कुछ भी है और जो कुछ भी हम करते हैं उसकी एक निश्चित विशेषता है-हमारे घर, हमारे स्कूल, हमारे अवकाश और हमारे परिवहन के साधन। यह हमारी सरकार की कार्य नीति भी प्रतीत होती है। संयुक्त राज्य अमेरिका अब राष्ट्रीय ऋण में 22 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है; लगभग हर दिन एक नया रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच जाता है।

इसके अलावा, ऑटो ऋणों में उसके नागरिकों द्वारा बकाया ऋण कुल 1.2 ट्रिलियन डॉलर है; छात्र ऋण 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। लेकिन 9 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का बंधक ऋण सबसे खराब है।

ये उस तरह के रिकॉर्ड नहीं हैं जिन्हें हम हराना चाहते हैं। सही? तो हमारे निजी जीवन में इतना कर्ज क्यों है? ऐसा क्यों लगता है कि कर्ज एक विषैला, घातक ट्यूमर की तरह बढ़ता जा रहा है? वास्तव में, आप यह सोचकर भी ललचा सकते हैं कि ऋण सामान्य जीवन का एक हिस्सा है - जैसे ड्राइव-थ्रू विंडो या इंटरनेट।

यह नहीं है! और ऋण के बोझ तले दबे होना वह शैली नहीं है जिस तरह से परमेश्वर ने हमें जीने के लिए बनाया है। आप सोच रहे होंगे कि वित्त का सुसमाचार से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाइबल के 500 से अधिक पद वित्त और संपत्ति को संबोधित करते हैं? और क्या आप यह भी जानते हैं कि यीशु द्वारा बताए गए 38 दृष्टान्तों में से 16 में वित्त और संपत्ति के प्रबंधन पर चर्चा की गई है?

तो हम एक मसीही होने के नाते ऋण को कैसे देखते हैं और अपने जीवन में इससे कैसे निपटते हैं? आइए देखें कि पवित्रशास्त्र इसका उत्तर कैसे प्रदान करता है।

ऋण एक व्यक्ति को क्या करता है?

उन सभी समस्याओं की तरह, जिन्हें लोग अनदेखा करते हैं, ऋण बड़ा और बड़ा होता जाएगा, इस प्रक्रिया में अधिक से अधिक असहनीय होता जाएगा, जब तक कि यह किसी व्यक्ति को कुचल नहीं देता। रिपोर्टें और लेख और ब्लॉग वर्षों से इसकी ओर तत्काल और मुखर रूप से ध्यान आकर्षित कर रहे हैः प्रश्न इसके बारे में नहीं है कि यदि ऋण बम में अचानक वृद्धि होगी–या अचानक आश्चर्यजनकपतन, जैसा भी मामला हो- लेकिन कब। संयुक्त राज्य अमेरिका निकट भविष्य में कभी परिणाम का सामना किए बिना अधिकाधिक रूप से धन उधार लेना जारी नहीं रख सकता है। लेकिन यह सामूहिक रूप से केवल राष्ट्र नहीं है; यह हम में से प्रत्येक व्यक्तिगत रूप से है। हम एक अपरिहार्य दुर्घटना की ओर बढ़ रहे हैं, जैसे कोई कार सीधे दीवार की ओर तेजी से बढ़ रही हो।

डरावना, है ना? तो अब हम क्या करें? खैर, इस सवाल का जवाब देने के लिए कि ऋण की समस्या का क्या किया जाए, हमें पहले यह पता लगाना होगा कि हम इस मुकाम तक कैसे पहुंचे।

आइए बुनियादी बातों से शुरू करेंः ऋण क्या है, और यह आपके लिए और आपको क्या करता है?

ऋण दासता लाता है

ऋण लेने से हमें दो चीजें मिलती हैंः

1. वांछित वस्तु या सेवा
2. उस वस्तु या सेवा को प्राप्त करने में हमारे मदद करने वाले किसी व्यक्ति, पार्टी या संस्था के प्रति एक दायित्व

वह दायित्व एक अनुबंध के समान है जिसमें आप, देनदार के रूप में, स्वेच्छा से स्वयं को ऋणदाता के नियंत्रण में रख रहे हैं। इसका अर्थ है, कुछ मायनों में, वह ऋण एक प्रकार की दासता है। (शायद आपने कई छवियों में से एक को देखा है जो ऋण को कर्जदार से बंधी हुई एक बेहद प्रभावशाली गेंद और जंजीर के रूप में दर्शाती है।वास्तव में, नीतिवचन 22:7 कहता है, “धनी, निर्धन लोगों पर प्रभुता करता है, और उधार लेने वाला उधार देने वाले का दास होता है।।” उधारकर्ता प्रभावी रूप से खुद को ऋणदाता से बांध लेता है या जोड़ लेता है।

यहाँ एक दिलचस्प उदाहरण दिया गया हैः 2 राजा अध्याय 4 में, एक ऋणी विधवा मदद के लिए भविष्यवक्ता एलीशा को ढूंढ़ती है। उन दिनों, अगर ऋण का भुगतान नहीं किया जा सकता था, एक ऋणदाता के लिए न केवल संपत्ति, बल्कि लोगों को अधिग्रहण करना भी प्रथागत था। यह विधवा ऐसी ही एक कर्जदार थी। उसके पति ने ऋण लिया था, लेकिन उसे चुकाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। प्रथा के अनुसार, ऋण उसकी विधवा पर आ पड़ा , जिसके पास ऋण चुकाने के लिए पैसे नहीं थे। हताशा में, उसने एलीशा की दोहाई देकर कहा, “लेनदार आया है कि मेरे दोनों पुत्रों को अपने दास बनाने

के लिये ले जाए" (पद।)। उसका परिवार सचमुच "लेनदार का दास" होने वाला था।

जब ऋण आपके जीवन में एक नियंत्रण कारक है, तो कोई अन्य क्षेत्र छूट प्राप्त नहीं है। मैं एक महिला को जानता था जिसने जुए के ऋण में 500,000 डॉलर खर्च किए थे। वह घबराई हुई, डरी हुई और हताश थी। जुआ खेलना जारी रखने के लिए उसने अपने पति से चोरी भी की थी। उस पर न केवल इतना भारी ऋण था, बल्कि इस ऋण ने उसके रिश्तों, उसकी शादी और उसकी प्राथमिकताओं को भी प्रभावित किया था। यह उसके पूरे जीवन की संचालक शक्ति थी!

एक स्नातक ने हाल ही में पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री पूरी की है। इस दौरान, उसने छात्र ऋण में 100,000 डॉलर संचयित किए। उसकी योजना अगली बार लॉ स्कूल में आवेदन करने की थी, लेकिन उसके ऋणों के कारण, वह ऐसा करने में असमर्थ थी। इसके बजाय, वह अपनी माँ के साथ रहने लगी और उसे एक ग्राफिक डिजाइनर की नौकरी मिल गई। निस्संदेह, उसकी योजना अपनी शिक्षा समाप्त करने और फिर उस शिक्षा का उपयोग अपने ऋणों को चुकाने के लिए करने की थी। लेकिन ऋण ने ही उसके द्वारा बनाए जा रहे भविष्य के पथ को बदल दिया था! अब, इसका निश्चित रूप से यह मतलब नहीं है कि आपको शिक्षा नहीं लेनी चाहिए; हालांकि, इसका मतलब यह है कि आपको ऋण को अपने जीवन पर नियंत्रण नहीं करने देना चाहिए।

तथ्य यह है कि जब हम किसी चीज या किसी और के गुलाम होते हैं, तो हमारे लिए परमेश्वर की सेवा करना असंभव है। मत्ती 6:24 कहता है, "कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि

वह एक से बैर ओर दूसरे से प्रेम रखेगा, वा एक से मिला रहेगा और दूसरे को तुच्छ जानेगा "तुम परमेश्वर और धन दोनो की सेवा नहीं कर सकते"। धन भौतिक संपदा के लिए एक शब्द है। यदि धन और सामान की आपकी आवश्यकता परमेश्वर की इच्छा के प्रति समर्पण करने की आपकी इच्छा से अधिक है, तो बाइबल संकेत करती है कि यह एक बड़ी समस्या है। यदि वह आवश्यकता आपको आगे और आगे कर्ज में डूबने के लिए प्रेरित करती है, जैसे कि जुआ खेलने की आदत वाली महिला, तो आप निश्चित रूप से जान सकते हैं कि यह आपके जीवन के लिए परमेश्वर की इच्छा नहीं है।

ऋण चिंता लाता है

चिंता ऋण की सबसे करीबी दोस्त होती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि 44 प्रतिशत अमेरिकी धन को अपने तनाव के सबसे बड़े स्रोत के रूप में नामित करते हैं। इसमें ऋण भी शामिल है। आपको वांछित वस्तु या सेवा प्राप्त करने से एक अस्थायी उत्साह मिल सकता है, लेकिन इसके साथ एक चिंता भी आती है जो गोंद की तरह चिपक जाती है और उत्साह के शांत हो जाने के बाद लंबे समय तक बनी रहती है।

कवयित्री श्रीमती हेलेन स्टेनर राइस इसे इस प्रकार कहती हैंः चिंता? चिंता क्यों? चिंता क्या कर सकती है? यह कभी भी किसी परेशानी को आप पर हावी होने से नहीं रोकती है। यह आपको रात में अपच और उन्निद्र समय देती है, और बीतते दिनों में उदासी भर देती है, चाहे वे कितने भी सुखी और उज्ज्वल क्यों न हो। यह आपके चेहरे पर एक अप्रसन्नता और आपके स्वर में रूखापन डालता है।

आप दूसरों के साथ रहने के अयोग्य हो जाते हैं और अकेले रहने के अयोग्य हो जाते हैं।

ऋण होने की चिंता, ऋण चुकाने की क्षमता, और अगर आप ऋण नहीं चुका सकते तो क्या होगा, यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। चिंता अपने साथ तनाव, भय और यहाँ तक कि अवसाद भी लाती है। ऋण का असर आपके स्वभाव पर भी पड़ सकता है। यह आपको दूसरों के प्रति अधीर बनाता है। चिंता को दूर करने के प्रयास में यह आपको धूम्रपान या शराब पीने जैसी अस्वास्थ्यकर आदतें विकसित करने के लिए प्रेरित कर सकता है। यह आपके द्वारा किए गए मोल-भाव से बहुत अधिक हो सकता है जब आपने शुरुआत में आइटम को क्रेडिट पर रखा था या ऋण पर हस्ताक्षर किए थे।

सबसे बुरी बात यह है कि चिंता करने से आपका ऋण चुकाने की समस्या का समाधान नहीं हो जाता। यह केवल आपके पूरे जीवन को ऋण की शक्ति के अधीन कर देता है। इस प्रकार, जहां ऋण आपको वह देता है जो आप चाहते हैं, इसके साथ चिंता और दासता भी आती है। वास्तव में, यह आपके जीवन के पूरे प्रक्षेप- पथको बदतर के लिए बदलने की क्षमता रखता है। यह कम से कम आकर्षक तो नहीं लगता है, और यह निश्चित रूप से ऐसा कुछ नहीं है जिसे लोग स्वेच्छा से स्वयं को प्रदान करेंगे।

तो हम पर इतना ऋण क्यों है?!

हम पर ऋण क्यों है

हम उपभोक्तावाद के युग में रहते हैं, जहां तात्कालिक संतुष्टि न केवल मौजूद है - इसे विकसित किया जाता है और इसकी अपेक्षा की जाती है। हम बस ऑनलाइन एक बटन क्लिक कर सकते हैं और एक आइटम अगले दिन या कभी-कभी उसी दिन हमारे सामने के दरवाजे पर पहुंचा दिया जाता है। ऑनलाइन खोज फॉर्म में शब्दों की एक श्रृंखला डालने से ही चीजें खरीदने के लिए विज्ञापन अचानक नजर आने लगते हैं। हमें कुछ खरीदने के लिए विशेष रूप से कुछ भी खोजने की भी जरूरत नहीं है। सामान और बहुत कुछ प्राप्त करना आसान है।

फिर भी शोध से पता चलता है कि सामान हमें खुश नहीं करता है। वास्तव में, अध्ययनों से पता चलता है कि बढ़ती संख्या में लोग भौतिक चीजों के बजाय अनुभवों पर पैसा खर्च करना पसंद करते हैं। क्यों? क्योंकि यह धारणा कि सामान पर पैसा खर्च करने से खुशी मिलती है, एक मिथक है। भौतिक वस्तुओं से मिलने वाला सुख शीघ्र ही समाप्त हो जाता है। क्षण अधिक यादगार होते हैं, और अनुभव आपकी दुनिया खोल देते हैं।[1]

अमेरिका में सरकारी सहायता पाने वाले कुछ लोगों के पास अपने स्मार्टफोन और डिजाइनर हैंडबैग हैं। उनके पास नौकरी नहीं है, लेकिन उनके पास विलासिता की चीजें हैं। यह थोड़ा पिछड़ा हुआ लगता है; है ना? रास्ते में कहीं न कहीं, जीवन में आवश्यकताएं क्या हैं और जीवन में गैर-जरूरी क्या हैं, इसकी परिभाषा धुंधली हो गई है। हम एक ऐसे समाज में मौजूद हैं जहां हम जो चाहते हैं उसे प्राप्त

---

1 *https://www.entrepreneur.com/article/294163*

करना आदर्श है। लेकिन पवित्रशास्त्र सब कुछ अच्छी तरह जानता हैः "कामकाजी की कल्पनाओं से केवल लाभ होता है, परन्तु उतावली करने वाले को केवल घटती होती है" (नीतिवचन 21:5)। हमारे पास जिसकी कमी है वह है आत्मसंयम। और यह कमी हमें अंदर से बाहर तक नष्ट कर रही है।

बेशक, ऐसी स्थितियां होती हैं जिनमें ऋण के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं होता है। अय्यूब उसके नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण ऋणी हुआ। वह विधवा जो सहायता के लिए एलीशा के पास गई, उसे उसका ऋण विरासत में मिला। लेकिन हम अपने अधिकांश ऋण विचारपूर्वक और जानबूझकर चुनते हैं। ऐसा नहीं है कि क्रेडिट कार्ड कंपनियां हमें चीजें खरीदने के लिए प्रताड़ित कर रही हैं। हम शायद ही कभी खुद से पूछते हैं, "क्या मुझे वाकई इसकी जरूरत है?" हम खुद को यह सोचकर धोखा देते हैं कि हम भविष्य में किसी अनिश्चित समय पर, बाद में ऋण चुकाने की उस सारी अप्रियता से निपट सकते हैं। समस्या यह है कि बाद में अनिवार्य रूप से अब में बदल जाता है। हम खरीदारी को युक्तिसंगत या उचित ठहराने में अच्छे हैं-यह बिक्री पर था; यह एक सीमित संस्करण था - लेकिन शायद ही कभी हम यह पूछते हैं कि हम इस पैसे का बेहतर उपयोग क्या कर सकते हैं।

सांस्कृतिक या सामाजिक तर्क में पड़ना भी अपेक्षाकृत आसान है। ऋण अक्सर अब जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा लगता है। शायद ऐसा लगता है कि आपके आस-पास के सभी लोगों पर किसी न किसी तरह का ऋण है; शायद आपने खुद इस धारणा के आगे हार मान ली है कि ऋण एक आवश्यक बुराई है। ऐसा नहीं है। और

अपने अधिकांश या पूरे जीवन के लिए ऋण लेना एक विकल्प है जिसे आप चुनते हैं।

बाइबल हमें उस बेहतर जीवन के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करने की सलाह देती है जिसका परमेश्वर ने वादा किया हैः

"तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का शुभागमन निकट है" (याकूब 5:8)। मसीह हमें बताता है,"यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले" (मत्ती 16:24)। और प्रभु के उन अनुयायियों के बारे में कहा जाता है, "ये सब विश्वास हीकी दशा में मरे; और उन्होंने प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएं नहीं पाईं; पर उन्हें दूर से देखकर आनन्दित हुए और मान लिया, कि हम पृथ्वी पर परदेशी और बाहरी हैं। पर वे एक उत्तम अर्थात स्वर्गीय देश के अभिलाषी हैं, इसी लिये परमेश्वर उन का परमेश्वर कहलाने में उन से नहीं लजाता, सो उस ने उन के लिये एक नगर तैयार किया है" (इब्रानियों 11:13,16)। हमें यह जीवन कीमती सामान इकट्ठा करने में नहीं बिताना है; हमें इसे परमेश्वर के साथ अपने भविष्य के जीवन के लिए अपने दिलों, अपने दिमागों, अपने पात्रों को तैयार करने में खर्च करना है। भविष्य में समृद्धि के लिए हमें आज आत्म-त्याग का अनुभव करने की आवश्यकता है।

प्रतीक्षा करने की बाइबल की परिभाषा का अर्थ बेकार बैठे रहना, कुछ न करना नहीं है। साथ ही हमें धैर्य रखना चाहिए, परमेश्वर हमें कार्य करने, प्रमाणित करने, तैयारी करने और गवाही देने का निर्देश भी देता है। हमारा उपभोक्ता समाज आलस्य पर चलता है, देने के बजाय लेने पर। लेकिन पवित्रशास्त्र हमें बताता है कि बेकार रहना मूर्खता हैः "हे आलसी, चीटियों के पास जा; उनके काम पर

ध्यान दे, और बुद्धिमान हो” (नीतिवचन 6:6)। प्रसिद्ध कहावत कहती है; “आलसी का प्राण लालसा तो करता है, और उस को कुछ नहीं मिलता, परन्तु कामकाजी हृष्ट पुष्ट हो जाते हैं” (नीतिवचन 13:4)।

हम सब अपने द्वारा बोले गए प्रत्येक व्यर्थ के वचन का लेखा परमेश्वर को देंगे। (देखें मत्ती 12:36।) क्या हमें उस धन का हिसाब भी देना होगा जो हम बेकार में खर्च करते हैं? सभोपदेशक 12:14 कहता है, “क्योंकि परमेश्वर सब कामों और सब गुप्त बातों का, चाहे वे भली हों या बुरी, न्याय करेगा।”

ऋण 101: इससे कैसे बचें

आइए कुछ बुनियादी, व्यावहारिक सिद्धांतों को देखें जो सबसे पहले आपको ऋणी होने से बचने में मदद करेंगे। यह कदमों की एक छोटी सूची है जो कोई भी किसी भी समय उठा सकता है। इन्हें व्यवहार में लाने से पहले कर्ज के जमा होने की प्रतीक्षा न करें। अभी शुरू करें। अभी से खर्च करने की अच्छी आदतें बनाकर परमेश्वर के साथ अपने भविष्य की तैयारी करें। (ये युक्तियाँ कई अलग-अलग वित्तीय विशेषज्ञों से संकलित की गई हैं।)

- बचत खाता खोलें। यहां तक कि अगर आपको लगता है कि आपके पास बचाने के लिए पैसे नहीं हैं, तो फिर से विचार करें। आजकल, एक बचत खाता केवल 10 डॉलर के साथ खोला जा सकता है। इसे किसी दूसरे बैंक में खोलें जहां से आप अपने नियमित भुगतान और दिन-प्रतिदिन के खर्चों का प्रबंधन करते हैं। इस

तरह, आप इसे एक चेकिंग खाते की तरह व्यवहार करने के लिए नहीं ललचाएंगे। इसमें नियमित रूप से पैसा लगाने के बारे में इरादा रखे, भले ही यह एक समय में केवल कुछ डॉलर ही क्यों न हो - और अपनी मानसिकता को बदलते देखें। अब आप खर्च करके कम करने के बजाय बचत करके जुटा रहे हैं।

यदि आप विशेष रूप से चीजें खरीदना पसंद करते हैं, तो आप महसूस कर सकते हैं कि भविष्य के लिए बचत करने में लंबे समय तक चलने वाली खुशी है। "सप्ताह के पहिले दिन तुम में से हर एक अपनी आमदनी के अनुसार कुछ अपने पास रख छोड़ा करे, कि मेरे आने पर चन्दा न करना पड़े" (1 कुरिन्थियों 16:2)।

- बजट बनाएं। हम में से बहुत से लोग हमारे द्वारा कमाए जा रहे धन से अधिक खर्च कर रहे हैं और कर्जदार हैं क्योंकि हमें पता नहीं है कि हम कितना खर्च कर रहे हैं। जरूर, हम एक मोटा अनुमान लगा सकते हैं; हालाँकि, हम में खर्चों को कम आंकने की प्रवृत्ति भी है। हम हर दिन दोपहर के भोजन खरीदने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 15 डॉलर या मॉल में हर बार छोटी-छोटी चीज़ें खरीदने के बारे में भूल जाते हैं। वे आइटम जितना आप सोचते हैं उससे कहीं अघिक तेजी से जुड़ते जाते हैं। अपनी रसीदें सहेजें और अपने बैंक स्टेटमेंट का अध्ययन करके पता करें कि आपका पैसा कहां जा रहा है।

फिर, सबसे महत्वपूर्ण बात, अपने प्रति ईमानदार रहें। एक उचित बजट बनाएं, जो संभव और व्यावहारिक हो, और उस बजट की सीमा के अन्दर रहने की कार्यनीति बनाएं। कभी-कभी, अपने बारे में बातों को स्वीकार करना मुश्किल होता है, खासकर जब वे बातें सीधे हमारे सामने आती हैं। लेकिन अब यह छोटा सा प्रयास आपको भविष्य में वित्तीय सुरक्षा हासिल करने में काफी मदद करेगा। “तुम में से कौन है कि गढ़ बनाना चाहता हो, और पहिले बैठकर खर्च न जोड़े, कि पूरा करने की सामर्थ्य मेरे पास है कि नहीं?” (लूका 14:28)।

- अपनी किराने की टोकरी पर पुनर्विचार करें। भोजन जीवन की एक आवश्यकता है, इसलिए इसे खरीदना उन कामों में से एक है जिसे हम सभी को नियमित रूप से करना होता है। खाद्य बजट पर नजर रखना आसान है, लेकिन यह तेजी से हाथ से निकल भी सकता है। हममें से कुछ लोग बाजार में बेवजह इधर-उधर भटकना पसंद करते हैं, आवेग में आकर हमारी स्वाद-कलिकाओं को गुदगुदाने वाली महंगी वस्तुओं को उठा लेते हैं। कुछ माता-पिता अपने बच्चों को अलमारियों से कुछ भी उठा लेने की अनुमति देते हैं, भले ही वह वस्तु मूल्यवान हो या सिर्फ स्पष्ट रूप से अस्वस्थ हो।

बेहतर होगा कि आपको वास्तव में जो चाहिए इसकी एक सूची आप पहले से ही बना लें और जब आप किराने की दुकान पर जाएं तो उस सूची के मुताबिक चलें। आप लागत बचाने के लिए कुछ खाद्य पदार्थों को थोक में खरीदने का प्रयास कर सकते हैं- विशेष रूप से

वे शुष्क वस्तुएँ जिन्हें आप आमतौर पर खाते हैं। “क्योंकि पियक्कड़ और खाऊ अपना भाग खोते हैं” (नीतिवचन 23:21)।

- दशमांश और भेंट में विश्वासयोग्य रहें। कुछ लोग दशमांश को सिर्फ एक और खर्च के रूप में देख सकते हैं, उन सतही खर्चों में से एक जिसकी गणना आप आवश्यकताओं के खरीदे जाने के बाद करते हैं। वे सोच सकते हैं, “हो सकता है कि परमेश्वर समझ जाए कि मैं दशमांश का भुगतान तब तक नहीं करता जब तक कि मुझे वेतन नहीं मिलता,” क्योंकि वे सभी अन्य खर्च जीवन की गुणवत्ता के लिए आवश्यक हैं जो वे चाहते हैं। वास्तव में, हमारे पास जो कुछ भी है, जो हमारे पास है, वह सब ईश्वर का है। “धन और महिमा दोनों तेरी ओर परमेश्वर, से आते हैं, और तू सभों के ऊपर प्रभुता करता है” (1 इतिहास 29:12)। लेकिन प्रभु, हमारे दयालु पिता, आज्ञाकारिता के संकेत के रूप में बदले में इसका केवल दसवां हिस्सा मांगता है।

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, कम से कम उस 10 प्रतिशत के साथ विश्वासयोग्य रहें और आप परमेश्वर को कई अन्य तरीकों से कार्य करते हुए देखना शुरू कर देंगे-लेकिन इस अर्थ में नहीं कि आप अपने पुरस्कार अर्जित करते हैं। परमेश्वर चाहता है कि आपकी आज्ञाकारिता उसकी महिमा के साथ-साथ आपके अपने भले के लिए भी हो। “सच्चे मनुष्य पर बहुत आशीर्वाद होते रहते हैं,

परन्तु जो धनी होने में उतावली करता है, वह निर्दोष नहीं ठहरता" (नीतिवचन 28:20)।

- घर को शुद्ध करें। एक उपभोक्ता समाज में रहने का अर्थ है बहुत सी चीजें प्राप्त करने की उच्च संभावना होना - और नहीं से अधिक बार , ऐसी चीजें जिनकी हमें वास्तव में आवश्यकता नहीं है। हो सकता है कि कुछ सामान हमारे भण्डार घर या गैरेज में वर्षों से पड़ा हो, कुछ खुला भी नहीं। अपने घर की पूरी तरह से सफाई करें और उन चीजों को खत्म करें जिनके बिना आप रह सकते हैं। एक ऐसे युग में रहने का लाभ जब खरीदना आसान हो, वह यह है कि इसे बेचना भी आसान है। बस आइटम की एक फोटो खींचे और इसे ईबे या फेसबुक या किसी अन्य ईकामर्स प्लेटफॉर्म पर डाल दें। चाहे वह सदस्यता हो जिसका आप उपयोग नहीं कर रहे हैं या पत्रिकाएं जो आप नहीं पढ़ रहे हैं या केवल धूल जमा कर रहे सामान हैं, वे आपके नए बचत खाते में एक अच्छी वृद्धि ला सकते हैं। "पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ" (कुलुस्सियों 3:2)।

- कमाने के नए तरीके सीखें। चौथी आज्ञा सब्त के दिन विश्राम करने के लिए कहती है। यह सप्ताह का केवल एक दिन है। यह हमें अन्य छह दिनों में क्या करने का

निर्देश देती है? “छः दिन तो तू परिश्रम करके अपना सब काम काज करना” (निर्गमन 20:9)। दो दिवसीय सप्ताहांत एक काफी आधुनिक अवधारणा है, जिसे 1900 की शुरुआत में लागू किया गया था। हम रविवार को “कर” सकते हैं।

अपने समय का बुद्धिमानी और लगन से उपयोग करें और देखें कि जब आप प्रयास करते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है। हालांकि, जल्दी-जल्दी अमीर बनने वाली योजनाओं से सावधान रहें, जैसे कि बहु-स्तरीय मार्केटिंग घोटाले जो एक बड़ी राशि का वादा करते हैं लेकिन आपको केवल कर्ज में डूबाते हैं। “निर्धन के पास माल नहीं रहता, परन्तु जो अपने परिश्रम से बटोरता, उसकी बढ़ती होती है” (नीतिवचन 13:11)। इस डिजिटल युग में, यहां तक कि कई लोग जो शारीरिक रूप से श्रम करने में असमर्थ हैं, वे भी कंप्यूटर के सामने काम करके या घर से भी आय अर्जित कर सकते हैं। “परिश्रम से सदा लाभ होता है, परन्तु बकवाद करने से केवल घटती होती है” (नीतिवचन 14:23)।

क्या ऋण एक पाप है?

मसीह के बीच एक लोकप्रिय प्रश्न यह है कि क्या ऋण बढ़ती करना पाप का कार्य है। जबकि बाइबल कभी नहीं कहती है कि ऋणी होना पाप है, मुझे यकीन नहीं है कि यह सही सवाल है। इसके बजाय, मैं यह पूछना चाहता हूँ, “क्या वे उद्देश्य और कार्य जिनके कारण ऋण लेने का निर्णय लिया गया, वे पापपूर्ण हो सकते हैं?”

आपने कितनी बार ऋण इसलिये लिया क्योंकि आपने कुछ खरीदा है जो आपने किसी और के पास देखा था - और आपको बस इसे लेना था? बाइबल इसे लोभ कहती है, और दसवीं आज्ञा हमें इसके विरुद्ध निर्देश देती है। "चौकस रहो और लोभ से अपने आप को बचाए रखो," यीशु ने कहा, "क्योंकि किसी का जीवन उस की संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।" (लूका 12:15)।

हम सबसे अधिक ऋण के पीछे की मंशा पर चर्चा कर चुके हैं; इन कारणों के मूल में स्वयं की सेवा है। क्या आप परमेश्वर की इच्छा के लिए काम करने के बजाय अपनी इच्छाओं को पूरा करने के बारे में अधिक परवाह करते हैं? जब आप भौतिक चीजों को पसंद करते हैं - धनसम्पत्ति - जब आप चीजों को प्राप्त करने के लिए समर्पित होते हैं, चाहे कोई भी कीमत क्यों न हो, इसे पूजा के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। क्या आप धनसम्पत्ति की पूजा करते हैं? क्या वह स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर के ऊपर तुम्हारा परमेश्वर हो गया है? परमेश्वर कहता है, "तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना" (निर्गमन 20:3)।

आइए स्पष्ट करेंः लापरवाह वित्तीय गैरजिम्मेदारी एक पाप है। मसीही होने के नाते, हमारी जिम्मेदारी है कि हम परमेश्वर के समय, धन, और आशीषों के प्रति वफादार भण्डारी बनें जो उसने हमें दिए हैं। यह मायने रखता है कि हम इनमें से प्रत्येक का उपयोग कैसे करते हैं और यह हमारा भविष्य निर्धारित करता है। कभी-कभी परमेश्वर आपको एक आशीर्वाद देता है ताकि आप इसे आगे बढ़ा सकें। यीशु ने कहा,

> "जो थोड़े से थोड़े में सच्चा है, वह बहुत में भी सच्चा है: और जो थोड़े से थोड़े में अधर्मी है, वह बहुत में भी अधर्मी है। इसलिये जब तुम अधर्म के धन में सच्चे न ठहरे, तो सच्चा तुम्हें कौन सौंपेगा। और यदि तुम पराये धन में सच्चे न ठहरे, तो जो तुम्हारा है, उसे तुम्हें कौन देगा?" (लूका 16:10-12)।

यदि आप भौतिक धन के प्रति लापरवाह रहे हैं, तो आप आध्यात्मिक धन का प्रबंधन कैसे करेंगे? हम इस जीवन में अपने धन को कैसे संभालते हैं, यह हमारे वजनदार मामलों के प्रबंधन का एक संकेत है।

और यह न केवल स्वर्ग में हमारा भविष्य का अनंत काल दांव पर है; हमारे खर्च करने की आदतें भी इस धरती पर दूसरों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती हैं। उन सभी चीजों के बारे में सोचने के बजाय जो हम खुद पर पैसा खर्च न करके छोड़ देंगे, शायद हमें उन सभी चीजों के बारे में सोचना चाहिए जो हम दूसरों को दे सकते हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि ऋण लेने का फैसला करने का मतलब है कि आप इसे चुकाने की क्षमता के बारे में चिंतित हैं। यह मसीह के लिए एक तुच्छ गवाह बनाता है क्योंकि आप अब दूसरों तक पहुंचने की कोशिश नहीं कर रहे हैं बल्कि अपने और अपनी जरूरतों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

हमें दूसरों के लिए वरदान बनने के लिए बुलाया गया है। फिलिप्पियों 2:4 कहता है, "हर एक अपनी ही हित की नहीं, वरन दूसरों की हित की भी चिन्ता करे।" रोमियों 13:8 कहता है,"आपस

के प्रेम को छोड़ और किसी बात में किसी के कर्जदार न हो; क्योंकि जो दूसरे से प्रेम रखता है, उसी ने व्यवस्था पूरी की है।" और इफिसियों 4:28 कहता है,"चोरी करनेवाला फिर चोरी न करे; वरन भले काम करने में अपने हाथों से परिश्रम करे; इसलिये कि जिसे प्रयोजन हो, उसे देने को उसके पास कुछ हो।"

यदि हम मसीही होने के नाते काम करते हैं और जितना बचा सकते हैं, बचाएं, हम भी उतना ही दे पाएंगे जितना हम दे सकते हैं। और जब हम देते हैं, तो एक सुंदर बात घटित होती हैः परहितवादी देने का, निस्वार्थता का कार्य ही हमारे लिए एक आशीर्वाद बन जाता है। "दिया करो, तो तुम्हें भी दिया जाएगाः लोग पूरा नाप दबा दबाकर और हिला हिलाकर और उभरता हुआ तुम्हारी गोद में डालेंगे, क्योंकि जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा" (लूका 6:38)।

इसका मतलब यह नहीं है कि आपको देना चाहिए क्योंकि कुछ आपको वापस दिया जाएगा। दें लेकिन बदले में किसी चीज की उम्मीद न करें। कई पद पहले यीशु कहता है, "अपने शत्रुओं से प्रेम रखो, और भलाई करोः और फिर पाने की आस न रखकर उधार दो और तुम्हारे लिये बड़ा फल होगा; और तुम परमप्रधान के सन्तान ठहरोगे, क्योंकि वह उन पर जो धन्यवाद नहीं करते, और बुरों पर भी कृपालु है" (पद 35)। यह कोई मौद्रिक, सांसारिक पुरस्कार नहीं है। यह परमेश्वर के परिवार में एक के रूप में गिने जाने का विशेषाधिकार है - इसलिए नहीं कि आपके पास एक ही रक्त है, बल्कि इसलिए कि आपका चरित्र उसके जैसा है! वह तोहफा आपको वापस दिया गया हैः एक नया दिल। "उदार प्राणी हृष्ट पुष्ट हो जाता

है, और जो औरों की खेती सींचता है, उसकी भी सींची जाएगी।" (नीतिवचन 11:25) –पवित्र आत्मा द्वारा सींचा गया, जो आप में मसीह के चरित्र को बोता है।

अपने से कम भाग्यशाली लोगों को भौतिक और आध्यात्मिक धन दोनों दें। उन लोगों को दें जो मसीह को नहीं जानते क्योंकि आप एक बार वैसे ही खोए थे जैसे वे हैं। यदि हमारे पास मसीह का हृदय होता, तो कितनी अधिक खोई हुई आत्माओं तक सुसमाचार द्वारा पहुँचा जा सकता था? और कितने मिशनरियों, बाइबल कार्यकर्ताओं और प्रचारकों को इस पृथ्वी के अंधेरे भागों में भेजा जा सकता था? किसी के लिए यीशु मसीह के साथ भरपूर जीवन पाने के अवसर के बजाय बेजान चीजों की बहुतायत पर हमारा कितना धन खर्च किया गया है? क्या हम यह भी महसूस करते हैं कि ऋण की कीमत सिर्फ हमारे अपने जीवन से कहीं ज्यादा प्रभावित हो सकती है? क्या हम मानते हैं कि यह सुसमाचार का गला घोंट रहा है?

अपनी प्रतिज्ञाएं पूरे करो

क्या होगा यदि आपके पास पहले से ही बहुत अधिक ऋण है? क्या यह आपके लिए अंत है? क्या आप हमेशा के लिए खो गए हैं? नहीं। जो अब मायने रखता है वह यह है कि आप उस ऋण के साथ क्या करते हैं जो आपके पास पहले से है।एक मसीही का आचरण मायने रखता है। यदि एक मसीही विश्वासी कोई प्रतिज्ञा करता है, तो उसे उस प्रतिज्ञा को पूरा करना चाहिए। यदि आप कुछ खरीदते हैं, तो आपको उसके लिए भुगतान करना चाहिए। बाइबल कहती है, "दुष्ट

ऋण लेता है, और भरता नहीं परन्तु धर्मी अनुग्रह करके दान देता है" (भजन संहिता 37:21)। और "मन्नत मान कर पूरी न करने से मन्नत का न मानना ही अच्छा है" (सभोपदेशक 5:5)।

भले ही एक मसीही ने मूर्खता से व्यापार किया हो और भारी मात्रा में ऋण लिया हो, उस व्यक्ति को उस ऋण को चुकाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए और और वचन पत्र से पीछे नहीं हटना चाहिए। उसने जो करने की प्रतिज्ञा की है उसे नहीं बदलना चाहिए, भले ही वह उसके निरंतर नुकसान के लिए ही क्यों न हो। यदि आप अपना ऋण नहीं चुकाते हैं, तो इसका मतलब है कि किसी और को करना होगा; किसी और को सजा भुगतनी होगी। क्या यह एक तरह की चोरी नहीं है?

उस ऋण के बारे में क्या जिसे एक व्यक्ति संभवतः चुका नहीं सकता, जैसे कि वह जुआरी जिसके पास 500,000 डॉलर का ऋण चुकाने के लिए साधन नहीं थे? यहां तक कि अगर वह अपने शेष जीवन के हर दिन काम करती, तो भी वह इसका भुगतान नहीं कर सकती थी। कुछ लोग शायद हाथ खड़े कर सकते हैं और कह सकते हैं, "तो इसमें से थोड़ा भी भुगतान करने का क्या मतलब है?" लोग भारीऋण के बोझ तले दब जाते हैं; वे हार मान लेना चाहते हैं। परन्तु परमेश्वर चाहता है कि जब हम गिरें तो हम उसके पास आएं। हमें अपने पाप - अपनी आदतें, अपने लोभ से पश्चाताप करने की आवश्यकता है। जुआ खेलना बंद करें और अधिक ऋण अर्जित करने से दूर रहें। फिर परमेश्वर को हमारे जीवन को बदलने की, यहां तक कि हमें बंधन से छुटकारा दिलाने के लिए चमत्कार की भी अनुमति दें। "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा

करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है" (1 यूहन्ना 1:9)। हमें यह समझने की जरूरत है कि हमें मदद की जरूरत है, कि हमें बचाए जाने की जरूरत है। और परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि वह न केवल हमें बचाएगा, बल्कि यह कि वह हमारे जीवन को भी बदल देगा।

इस समीकरण में "उल्लेखनीय विशेष प्रतिभा या गुण" परमेश्वर है। पवित्रशास्त्र हमें बताता है कि उसने "हमें भय की नहीं पर सामर्थ, और प्रेम और संयम की आत्मा दी है" (2 तीमुथियुस 1:7)। ऋण डर लाता है। परन्तु यहाँ एक सुन्दर बात है: प्रेम भय पर विजयी होता है, क्योंकि "सिद्ध प्रेम भय को दूर कर देता है" (1 यूहन्ना 4:18)। बाइबल यह भी कहती है कि "परमेश्वर प्रेम है" (1 यूहन्ना 4:8)। इसका मतलब है कि परमेश्वर विजेता है। वह आपके ऋण से जुड़े आपके डर और आपकी चिंता को हराने के लिए उत्तरदायी है – किसी भी चीज से, उस बात के लिए। अगर आपको खर्च करने की आदत है या जुए की लत है, तो परमेश्वर ही है जो इसे दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। अवतरण कहता है कि परमेश्वर वह है जो हमें "एक स्वस्थ मन" देता है – अर्थात, एक ऐसा मन जो अनुशासित है, एक ऐसा मन जिसमें आत्म-संयम है। अगर आत्म-संयम की कमी ही हमें ऋणी बना देती है, तो परमेश्वर न केवल हमें ऋण से बचाए रखने बल्कि ऋण से छुटकारा दिलाने के लिए भी उत्तरदायी है। पश्चाताप करें, और देखें कि परमेश्वर आपको कैसे आशीष देगा।

याद रखें कि "परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है" (मत्ती 19:26)। विधवा अपने पति का ऋण नहीं चुका पा रही थी, लेकिन उसने हार में हाथ नहीं खड़े किए। इसके बजाय, वह परमेश्वर के मार्गदर्शन के

लिए एक भविष्यवक्ता के पास गई। जब भविष्यवक्ता एलीशा को पता चला कि विधवा के पास तेल का एक मर्तबान है, तो उसने उसे निर्देश दिया कि वह अपने सभी पड़ोसियों से उनके खाली मर्तबान और पात्र मांगे, जितने उसे मिल सकते थे, और फिर अपने एकमात्र मर्तबान से प्रत्येक खाली पात्र में तेल तब तक डाले जब तक कि प्रत्येक पात्र भर न जाए। विधवा ने वैसा ही किया जैसा उसे बताया गया था, और परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से तेल के एक मर्तबान को उन सभी पात्रों में तेल भरने के लिए कई गुना बढ़ा दिया। फिर वह उस तेल को अपने पति का कर्ज चुकाने के लिए बाजार ले गई।

विधवा ने, जो कुछ उसके पास था उससे, वह करने का प्रयास किया जो वह कर सकती थी। हालाँकि तेल का उसका वह एक मर्तबान बहुत अधिक नहीं था, हालाँकि यह अपने आप में संभवतः उसके पति के ऋण का भुगतान नहीं कर सकता था, उसने भविष्यवक्ता के निर्देशों को टाला नहीं। वह वफादार रही; वह आज्ञाकारी रही, और उसके विश्वासयोग्य होने के कारण उसे आशीष मिली। “परन्तु तू अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण रखना, क्योंकि वही है जो तुझे सम्पति प्राप्त करने का सामर्थ्य इसलिये देता है, कि जो वाचा उसने तेरे पूर्वजों से शपथ खाकर बान्धी थी उसको पूरा करे, जैसा आज प्रगट है” (व्यवस्थाविवरण 8:18)। ऐसा नहीं था कि परमेश्वर ने चमत्कार किया था जबकि विधवा वहीं बैठी रही और उसने कुछ नहीं किया था। हमारे प्रयास मायने रखते हैं; हमारा आचरण मायने रखता है-लेकिन इस तरह से नहीं कि हम अपना उद्धार अर्जित करें। इसके बजाय, विधवा के कार्य परमेश्वर में उसके विश्वास का विस्तार थे। वह चाहता है कि हम उसके साथ काम करें।उसकी महिमा उसी समय

हुई जब विधवा का विश्वास दृढ़ हुआ। नतीजतन, उसका चरित्र उसके साथ जीवन के लिए और अधिक सुंदरतापूर्वक समायोजित हुआ।

ऋण 102: इससे कैसे बाहर निकलें

यदि आप पहले से ही ऋणी है, तो निराश न हों! अपने जीवन में विश्वास, धैर्य और प्रार्थना करें। आइए अब सहायक युक्तियों की एक और सूची देखें जो आपको परमेश्वर के साथ भण्डारीपन का जीवन जीने में मदद करेगी। ये "ऋण 101: इससे कैसे बचें" के सार के साथ मिलकर काम करती हैं।

1. अधिक कर्ज लेना बंद करें। पहला कदम पश्चाताप करना है। उन चीजों से दूर हो जाओ जो आपको पहली बार ऋण में डुबा देती हैं। महसूस करें कि धन की इच्छा किस प्रकार परमेश्वर के साथ आपके संबंध को प्रभावित करती है। जुए के ऋण में डूबी महिला अपनी स्थिति की गंभीरता को जानती थी। वह गम्भीरता से चाहती थी कि वह ऋणी नहीं रहे, लेकिन उसे यह भी नहीं पता था कि उसकी समस्या के समाधान का एक भाग और अधिक ऋणी होने पर रोक लगाना था। वास्तव में, वह इस उम्मीद में लॉटरी टिकट खरीदना चाहती थी कि वह लॉटरी जीत जाएगी और एक झटके में अपना ऋण चुकाने में सक्षम हो जाएगी। यह सोचने के लिए मोहक है कि हमने जो समस्याएं पैदा की हैं, उन्हें पलक झपकते ही ठीक किया जा सकता

है, लेकिन नहीं से अधिक बार नहीं, यह वास्तविकता नहीं है और यह केवल हमें और अधिक निराशा और हताशा में ले जाती है। क्या परमेश्वर ऐसे चमत्कार करता है जो हमें असंभव लगने वाली परिस्थितियों से बाहर निकालने में मदद करते हैं? हां। लेकिन वह कभी भी अपने चरित्र और नैतिक नियमों के खिलाफ नहीं जाता है; न तो हमें उम्मीद करनी चाहिए और न ही मांग करनी चाहिए कि वह ऐसा करे। हमारी भूमिका के लिए, हमें बस अपने आप को, खर्च करने और कमाए जाने से अधिक धन के कारण खुद को डुबाने से रोकने की जरूरत है। "जो लोग हाथ पर हाथ मारते, और ऋणियों के उत्तरदायी होते हैं, उन में तू न होना। यदि भर देने के लिये तेरे पास कुछ न हो, तो वह क्यों तेरे नीचे से खाट खींच ले जाए?" (नीतिवचन 22:26,27)।

2. नियमित रूप से वेतन वृद्धि में अपने कर्ज का भुगतान करें। यहां तक कि अगर यह हर महीने केवल कुछ डॉलर है, तो हमेशा अपने कर्ज के लिए कुछ न कुछ डालें। यहां तक कि अगर जुआरी महिला एक बार में पूरे 500,000 डॉलर का भुगतान नहीं कर सकती थी, तो वह कम से कम एक बार में थोड़ा सा भुगतान करने के लिए कुछ प्रयास कर सकती थी- भले ही एक महीने में 10 डॉलर। यह पता लगाने में अपना समय बर्बाद न करें कि आप उस कर्ज से कैसे उभर

सकते हैं या उसका कम भुगतान कैसे कर सकते हैं। एक वफादार भण्डारी होने के बारे में पवित्रशास्त्र जो कहता है उसका पालन करें और अपनी मानसिकता में बदलाव देखें। जिस तरह थोड़ा खर्च हमारी अपेक्षा से जल्दी जुड़ जाता है, उसी तरह छोटी-छोटी बचत भी। अपने कर्ज का भुगतान करने के लिए आप नियमित रूप से कितना दे सकते हैं, इसकी योजना बनाने के लिए बजट बनाने से पहले पहले दी गई युक्ति का उपयोग करें। इसे प्राथमिकता दें, लेकिन इसे अपनी एकमात्र प्राथमिकता न बनाएं। यथार्थवादी भी बनें। उदाहरण के लिए, अपने आप को या अपने बच्चों को खिलाने की कीमत पर अपने ऋण का भुगतान न करें। "इसलिये हर एक का हक चुकाया करो" (रोमियों 13ः7)।

3. किसी भी अनावश्यक खर्च में कटौती करें। अपने आप से पूछें कि क्या कोई वस्तु खरीदना वास्तव में आवश्यक है या बस सुविधाजनक है। इन दो श्रेणियों के बीच के अंतर को समझने से समय के साथ काफी पैसा बचाया जा सकता है। यह आपकी किराने की टोकरी पर पुनर्विचार करने की युक्ति के साथ जाता है। आप इसके बिना और क्या कर सकते हैं ताकि आप अपने अधिक कर्ज का भुगतान कर सकें?

क. बाहर खाने के बजाय अपना खाना पकाने के बारे में क्या? यह न केवल डॉलर बचाता है, बल्कि यह आपके लिए स्वास्थ्य के लिये हितकर भी है। सादा, घर के बने खाने का मतलब है रसोई में कम काम या जमे हुए डिनर की तुलना में थोक में ताजी सब्जियां, फल और अनाज भी अधिक किफायती हैं।

ख. वस्त्र एक और आवश्यकता है, लेकिन आवश्यकता अधिक खर्च करने का बहाना नहीं है। अधिकांश कार्यालयों में एक ड्रेस कोड होता है, लेकिन डिपार्टमेंट स्टोर के बजाय डिस्काउंट स्टोर पर उपयुक्त कार्य पोशाक आसानी से खरीदी जा सकती है। ब्रांड नाम पहनना विलासिता है।

ग. क्या आप जिम सदस्यता के लिए भुगतान कर रहे हैं? व्यायाम करना महत्वपूर्ण है, लेकिन शायद बाहर मुफ्त में व्यायाम करके अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने का प्रयास करें। आप अपने पड़ोस में टहल सकते हैं या धीरे-धीरे दौड़ सकते हैं; पता करें यदि आपका स्थानीय सामुदायिक केंद्र कोई मुफ्त शिक्षण दे रहा है। आप न केवल बचत करेंगे, बल्कि ताजी हवा में भी कुछ समय बिताएंगे।

घ. हम में से कई लोगों को काम पर जाने के लिए कार की जरूरत होती है। यदि आपका कार्यालय पैदल या बाइक से जाने के लिए बहुत दूर है तो कार को एक आवश्यकता माना जा सकता है। लेकिन डीलरशिप से एक नई कार खरीदने और अगले पांच वर्षों के लिए ऑटो ऋण का भुगतान

करने के बजाय, आप कई साल पुराने इस्तेमाल किया गया मॉडल खरीदने पर विचार कर सकते हैं – एक जिसका आप अग्रिम भुगतान कर सकते हैं, विशेष रूप से क्योंकि एक नई कार का मूल्य शोरूम से बाहर निकलते ही लगभग 20 प्रतिशत गिर जाता है। सिर्फ इसलिए कि कुछ अत्यावश्यक है इसका मतलब यह नहीं है कि कर्ज में पड़ना भी जरूरी है।

और इसे याद रखेंः "क्योंकि न हम जगत में कुछ लाए हैं और न कुछ ले जा सकते हैं। और यदि हमारे पास खाने और पहिनने को हो, तो इन्हीं पर सन्तोष करना चाहिए।" (1 तीमुथियुस 6ः7,8)।

आवश्यक ऋण

ऐसे समय हो सकते हैं जब आप अस्थायी ऋण लेना चुनते हैं, जैसे घर खरीदते समय, व्यवसाय शुरू करते समय, या कॉलेज खत्म करते समय। लेकिन ऐसे निर्णय सावधानीपूर्वक योजना बनाकर (जैसे कि जितना हो सके कम से कम ऋण लेना) और इस तरह के ऋण को जल्द से जल्द खत्म करने के लक्ष्य के साथ) लिए जाने चाहिए। ऋण के साथ सबसे बड़ी समस्या उन चीजों को खरीदना है जिनकी आपको जरूरत नहीं है (छुट्टी पर जाना, डिजाइनर कपड़े खरीदना, नया फर्नीचर लाना, दूसरों के लिए उपहार खरीदना) ऐसे ऋण को खत्म करने की कोई योजना नहीं है।

सबसे महत्वपूर्ण ऋण

लेकिन ऋण के पूरे मामले की जड़ यहीं है। हम में से प्रत्येक का हम पर ऋण है, लेकिन यह धन या भौतिक वस्तुओं का नहीं है। यह किसी भी वित्तीय ऋण की तुलना में बहुत बड़ा, बहुत अधिक अशुभ और बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। यह पाप का ऋण है। प्रभु की प्रार्थना में में लिखा है, "और हमारे पापों को क्षमा कर, क्योंकि हम भी अपने हर एक अपराधी को क्षमा करते हैं" (लूका 11:4)। उस ऋण का भुगतान मृत्यु हैः "क्योंकि पाप की मजदूरी मृत्यु है" (रोमियों 6:23)।

लेकिन परमेश्वर का शुक्र है कि यह पद यहीं समाप्त नहीं होता है।

यीशु मसीह, हमारे उद्धारकर्ता ने हमारे लिए, हम में से प्रत्येक के लिए पाप का ऋण चुकाया। वह हमारे पापों के लिए मरा, और हम उसे कभी भी भुगतान नहीं कर सकते - न तो शारीरिक, मानसिक, न ही आध्यात्मिक रूप से। भजन संहिता 116:12 कहता है,"यहोवा ने मेरे जितने उपकार किए हैं, उनका बदला मैं उसको क्या दूं?" लेकिन क्या आप जानते हैं कि खुशखबरी क्या है? यीशु की मृत्यु के द्वारा, हमारा ऋण - हमारा पाप - क्षमा किया गया है। कुलुस्सियों 2:13 में कहा गया है,"और उस ने तुम्हें भी, जो अपने अपराधों,में मुर्दा थे, उसके साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया।" और रोमियों 6:23 का उत्तरार्द्ध "परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है" के साथ समाप्त होता है। जीवन-हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ जीवन-हमें दिया गया है। हमें केवल इसे स्वीकार करने का चुनाव करना है,"उद्धार का कटोरा उठा कर, यहोवा से प्रार्थना" करनी है। (भजन संहिता 116:13)।

मान लीजिए कि आप वास्तव में एक पोर्श कार खरीदना चाहते हैं। यह वह सब है जिसके बारे में आप सोच सकते हैं, और केवल यही एक चीज है जो आप चाहते हैं। तो आप इसके लिए प्रयास करते हैं। आप एक ऋण लेते हैं और एक नए मॉडल पर कोई डाउन पेमेंट नहीं करते हैं। कागजात पर हस्ताक्षर किए गए हैं सौदा किया जाता है। आप संतोष से आह भरते हैं। अंत में, आपके पास अपनी पोर्श कार है। फिर, जैसे ही आप पार्किंग से बाहर निकलते हैं, एक मिनीवैन लेन बदल लेती है और सीधे आपकी कार की पिछली बाईं लाइट में टक्कर मार देती है। आप और दूसरा ड्राइवर दोनों ठीक हैं, लेकिन आपकी बिल्कुल नई मोटरगाड़ी, आपकी आंख का तारा, बर्बाद हो जाती है। आपकी पोर्श कार के मूल्य का अभी क्या हुआ? यह कुछ ही सेकंड में बहुत नीचे गिर गया। अब आप उस ऋणके बारे में कैसा महसूस करते हैं?

उस मूल्य पर विचार करें जो परमेश्वर ने आप पर, आपके जीवन पर रखा है। आपका मूल्य मरने के बराबर मोल का था, और आपका मूल्य कभी कम नहीं होता। यीशु ने हमेशा आपके लिए अपना जीवन देना उचित समझा है और हमेशा समझेगा। जो आपसे इतनी प्रीति रखता है, उस परमेश्वर के साथ अनंत काल की तुलना में पोर्श कार या कुछ और क्या है ? यीशु मसीह”वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया जिस से हम पापों के लिये मर कर के धामिर्कता के लिये जीवन बिताएंः उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए” (1 पतरस 2:24)।

ऋण मुक्ति

हर सात साल में, इस्राएलियों को उन सभी ऋणों को छोड़ देना होता था जो अभी तक चुकाए नहीं गए थेः “अर्थात जिस किसी ऋण देने वाले ने अपने पड़ोसी को कुछ उधार दिया हो, तो वह उसे छोड़ दे; और अपने पड़ोसी वा भाई से उसको बरबस न भरवा ले, क्योंकि यहोवा के नाम से इस छुटकारे का प्रचार हुआ है” (व्यवस्थाविवरण 15:2)। आपको समझ में आया? परमेश्वर ने अपने लोगों को ऋणदाता होने के लिए डिजाइन किया, ऋणी होने के लिए नहींः “यहोवा तेरे लिये अपने आकाशरूपी उत्तम भण्डार को खोल कर तेरी भूमि पर समय पर मेंह बरसाया करेगा, और तेरे सारे कामों पर आशीष देगा; और तू बहुतेरी जातियों को उधार देगा, परन्तु किसी से तुझे उधार लेना न पड़ेगा” (व्यवस्थाविवरण 28:12)। परमेश्वर के अनुयायी होने के नाते आज हमारे लिए इसका क्या अर्थ है? हमें इसी तरह उधार देने की स्थिति में होना चाहिए, न कि कर्जदार होने की, कि हम बदले में हम पर परमेश्वर के आशीर्वाद का उपयोग दूसरों को आशीर्वाद देने के लिए कर सकें।

प्रभु सदियों से अपने लोगों में क्षमा की अवधारणा को निरंतर प्रयास से सिखा रहा है। यीशु के बलिदान में, प्रकार (प्रतीक) अंततः अपने प्रतिरूप (वास्तविकता) से मिल गया था; अभ्यास अंततः वास्तविकता बन गया था। हमारे पापों के ऋण के लिये परमेश्वर की क्षमा को दर्शाने में यह क्या ही अद्भुत सबक है! और दुनिया को परमेश्वर के सही चरित्र को दिखाने वाला क्या ही सुंदर उदाहरण है।

मत्ती 18 में, यीशु एक राजा का दृष्टान्त बताता है, जो परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करता है, और उसका एक सेवक, जो पापियों का

प्रतिनिधित्व करता है। इस सेवक पर राजा का ऋण बकाया है, एक बहुत बड़ी राशि, 10,000 तोड़े-बाइबल में पाई गई अब तक की सबसे बड़ी मौद्रिक राशि (पद 24)। हमारे पापों की गंभीरता भयानक रूप से स्पष्ट है। सेवक ऋण का भुगतान करने में असमर्थ है, इसलिए राजा ने उसपर, "तरस खाकर" (पद 27), उसकी पूरी राशि माफ कर दी।

यह कहानी उद्धार की योजना का एक रूपक है। परमेश्वर ने हमारे पापों को माफ कर दिया, जैसे राजा ने दास के 10,000 किक्कार के कर्ज को माफ कर दिया। महत्वपूर्ण रूप से, यीशु कारण जोड़ता है कि राजा ने अपने दास का कर्ज माफ कर दियाः क्योंकि उसने उस पर "तरस" खाया, क्योंकि वह उससे प्रेम करता था। यह वाक्यांश, "तरस खाकर" बार-बार पाया जाता है क्योंकि यीशु पृथ्वी पर अपने जीवन के दौरान लोगों को चंगा करता है, प्रचार करता है और सिखाता है। परमेश्वर हमें बार-बार पवित्रशास्त्र के द्वारा बता रहा है कि वह हम से कितना प्रेम करता है।

लेकिन दृष्टांत यहीं खत्म नहीं होता है। यह राजा द्वारा उसे क्षमा किए जाने के बाद दास के आचरण का वर्णन करता है। वह दास, जिसका ऋण माफ कर दिया गया था, दूसरे दास के पास गया, जिसे उसे सौ दीनार का मामूली ऋण देना था, जो 10,000 तोड़े की तुलना में एक अल्प भाग है, और दूसरे दास को उसे लौटाने को कहा। और दूसरे दास से उसे लौटाने को कहा। जब दूसरा दास भुगतान नहीं कर सका, तो पहले दास ने उस आदमी को जेल में डाल दिया। उसने दूसरे दास के साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जैसा कि राजा ने दया के साथ किया था, लेकिन वह स्वार्थी और निर्दयी था। जब राजा को पहले दास

के कार्यों के बारे में पता चला, तो उसने उदार निर्णय वापस ले लिया और इसके बजाय "उसे दण्ड देने वालों के हाथ में सौंप दियाकि जब तक वह सब कर्जा भर न दे, तब तक उन के हाथ में रहे" (पद 34)।

इस दृष्टांत का पाठ यीशु स्पष्ट करता हैः "इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो स्वर्ग में है, तुम से भी वैसा ही करेगा" (पद 35)। परमेश्वर चाहता है कि हम दूसरों के साथ अपनी बातचीत में उसकी दया और कृपा दिखाएं। यह केवल दया का बाहरी दिखावा नहीं है परमेश्वर हृदय की सेवा चाहता है, कि हम जो कहते हैं और करते हैं उसका सही मायने में मतलब है। "टूटा मन परमेश्वर के योग्य बलिदान है; हे परमेश्वर, तू टूटे और पिसे हुए मन को तुच्छ नहीं जानता" (भजन संहिता 51:17)। पहले दास ने वास्तव में पश्चाताप या करुणा महसूस नहीं की और अपने साथी के खिलाफ उसके कार्य और अधिक घृणित हो गए क्योंकि उसने खुद एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता को अनुभव किया और समझा था। परमेश्वर हमसे जो चाहता है, वह यह है कि हम वैसे ही उसके पास जाएं जैसे हम हैं, जो हमने किया है और जो हम हैं उसके लिए निराश और ग्लानि से भरपूर, ताकि वह हमें उसके जैसा एक नया दिल दे सके।

मरियम द्वारा यीशु का तेल से अभिषेक करने का वृत्तांत लें। शमौन द्वारा आयोजित भोजन के दौरान, मरियम, एक फरीसी, जिसे यीशु ने पहले कोढ़ से ठीक किया था, जिसने बहुमूल्य और महँगा तेल मोल लिया था, वह उसे यीशु के सिर और पैरों पर उंडेलने के लिए आगे बढ़ी। आत्म-धार्मिक घृणा और अवमानना दूसरों की प्रतिक्रियाएं थीं। यहूदा के लिए, प्रेम के कार्य ने उसके लालच को क्रोधित कर

दिया, और इसके कारण, उसने सार्वजनिक रूप से मरियम को फटकार लगाईः “यह इत्र तीन सौ दीनार में बेचकर कंगालों को क्यों न दिया गया? उस ने यह बात इसलिये न कही, कि उसे कंगालों की चिन्ता थी, परन्तु इसलिये कि वह चोर था और उसके पास उन की थैली रहती थी, और उस में जो कुछ डाला जाता था, वह निकाल लेता था। मरियम की सेवा ने शमौन को भी अपने संदेह और पूर्वाग्रह को शामिल करने का कारण दियाः उसने घमण्ड पूर्ण से मन ही मन सोचा, “यदि यह भविष्यद्वक्ता होता तो जान लेता, कि यह जो उसे छू रही है, वह कौन और कैसी स्त्री है? क्योंकि वह तो पापिन है”। इन लोगों में से किसी को भी मरियम के किये गये काम के पीछे के कारण का एहसास नहीं हुआ। लेकिन यीशु को हुआ।

यीशु ने तब मरियम के कार्य को स्वीकार करने और इन लोगों के कठोर दिलों तक पहुँचने के लिए डिजाइन किया गया एक दृष्टांत बतायाः “किसी महाजन के दो देनदार थे, एक पांच सौ, और दूसरा पचास दीनार धारता था। जब कि उन के पास पटाने को कुछ न रहा, तो उस ने दोनो को क्षमा कर दियाः सो उन में से कौन उस से अधिक प्रेम रखेगा” (पद 41,42)।

शमौन ने सही उत्तर दिया, “मेरी समझ में वह, जिस का उस ने अधिक छोड़ दिया” (पद 43)

यीशु ने तब मरियम के विपरीत शमौन के आचरण का विवरण दिया। शमौन ने, यीशु को पैर धोने के लिए जल नहीं दिया, और न ही अभिवादन में एक चुंबन, जबकि मरियम ने खुद के आंसुओं से यीशु के पैर धोए और जब से वह आया तब से उस ने उसके पांवों का चूमना न छोड़ा। उसने उसके साथ न केवल शिष्टतापूर्वक बल्कि प्रेमपूर्वक

व्यवहार किया था। यीशु का कहना था कि मरियम के “पाप, जो बहुत, थे, माफ किए गए,, क्योंकि वह बहुत प्रेम करती थी। परन्तु जिसे थोड़ा क्षमा किया जाता है, वही थोड़ा प्रेम करता है” (पद 47)।

शमौन यीशु के द्वारा चंगा किया गया था, परन्तु वह यह समझने में असफल रहा कि उसकी शारीरिक चंगाई परमेश्वर द्वारा उसके पापों की क्षमा का प्रतिरूप थी। शमौन मरियम की तरह एक पापी था, उससे बेहतर कतई नहीं। लेकिन वह खुद को उससे कहीं ज्यादा योग्य समझता था। इससे पहले कि वह कोढ़ से चंगा होता, लोगों ने उसे घृणा की दृष्टि से देखा था, फिर भी वह अब वैसा ही व्यवहार कर रहा था जैसा वे करते थे। न तो उसे और न ही यहूदा ने महसूस किया कि वे कितने निराश थे, उन्हें उद्धारकर्ता की कितनी आवश्यकता थी। वे पश्चाताप में यीशु के पास नहीं गए; उनके लिए उनका ऋण कम था, शायद बिल्कुल भी नहीं। इस प्रकार, वे यीशु से बहुत कम प्रेम करते थे। यह यीशु और दूसरों के प्रति उनके प्रेम रहित कार्यों में दिखा। आप प्रभु से और दूसरों से कितना प्रेम करते हैं, इसका सीधा अनुपात इस बात से होगा कि आपने कितना महसूस किया है कि उसने आपके पापों के लिए भुगतान किया है।

एक बार जब आप इस बात का मूल्यांकन कर लेते हैं कि यीशु ने आपके पाप ऋण के लिए कितना भुगतान किया है, तो क्या आप पाप करते रहना चाहेंगे? क्या आप ऋण अर्जित करना जारी रखना चाहेंगे? नहीं, हम पापी मरियम की तरह प्रतिक्रिया देना चाहेंगे। शायद पहली नजर में, शमौन के घर पर यीशु के प्रति उसके कार्यों को अत्यधिक माना जाएगा। लेकिन एक बार जब हम संदर्भ को समझ लेते हैं, एक बार जब हम वास्तव में समझ जाते हैं कि यीशु ने उसके लिए क्या

किया, हम में से प्रत्येक के लिए क्या किया, हम देखते हैं कि हम उसे मरियम की तरह, दायित्व या ऋणग्रस्तता से नहीं, भले ही हम माप से परे अनुगृहीत हैं, लेकिन वह कौन है, इसके लिए अत्यधिक कृतज्ञता से प्रेरित होकर, प्रेम करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते।

हमारे पास केवल एक ही ऋण होना चाहिए जो यीशु का है। यह तथ्य कि हमारे ऋण को माफ कर दिया गया है, हमारे दिलों में बदले में यीशु से प्रेम करने और चरित्र में उसके जैसा-प्रेममय, क्षमाशील, बनने की एक हार्दिक इच्छा पैदा होनी चाहिए। हम दूसरों को अपनी तरह पापियों के रूप में देखेंगे और उनसे प्रेम करना चाहेंगे जैसे वह उनसे प्रेम करता है। यह असंभव है कि हम इसे हम में मसीह के बिना कर सकें। वह हमारी देह में से पत्थर का हृदय निकाल कर हमें मांस का हृदय दे सकता है। (यहेजकेल 36:26 देखें।)

सबसे बढ़कर, यीशु और उस ऋण के बारे में सोचें जो उसने आपके लिए चुकाया है। यह आपके लिए परमेश्वर का उपहार है, उसके साथ अनन्त जीवन का उपहार है। वह आपको प्रदान करता है। ऐसी कोई राशि नहीं है जो उसे वापस भुगतान कर सके, कोई भी क्रेडिट कार्ड इतना बड़ा नहीं है, भले ही आप दुनिया के इतिहास के सबसे अमीर व्यक्ति हों। और परमेश्वर को आपका धन नहीं चाहिए। वह आपसे बिल्कुल भी भुगतान नहीं चाहता है। वह आपको केवल निर्णय लेने के लिए कहता है। क्या आप उसके उपहार को स्वीकार करेंगे- उसकी क्षमा का उपहार, अनन्त जीवन का, एक नए हृदय का- या नहीं?

चुनना आपको है।

8 रहस्य

लम्बी और स्वस्थ जीवन के लिए!

यात्रा AmazingHealthFacts.in

अधिक जानने के लिए

अथवा

पत्रिका देखें

!निवेदन करें

अधिक मुफ़्त डिजिटल पुस्तकें खोजें

AFTV.in/Free-Book-Library

हिन्दी, तमिल, तेलगु, कई भाषाओं में उपलब्ध है ...

AMAZING FACTS
India
परमेश्वर का संदेश हमारा मिशन है

BOOKSTORE.AFTV.IN

पर जाएं जहां आप कई भाषाओं में मसीही सामग्री की खरीद कर सकते हैं और उन्हें आपके द्वार तक पहुंचाया जा सकता है!

AMAZING FACTS
India

हमारी मुफ़्त बाइबिल अध्ययन
पाठ्यक्रम को ना चूकें।
BibleStudy.AFTV.in
पर आज ही नामांकन करें!

AMAZING FACTS
India
Post Box No. 51 • Banjara Hills
Hyderabad, TS 500034

www.AmazingFactsIndia.org